## विचार प्रवाह

### रामचरितमानस में प्रबंधकीय सिद्धांत

आज के युग में प्रबंधन केवल उद्योग, व्यापार या प्रशासन तक सीमित नहीं रह गया है। परिवार, शिक्षा, शासन, सामाजिक संस्थाओं और व्यक्तिगत जीवन में भी प्रभावी प्रबंधन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। आधुनिक प्रबंधन के सिद्धांत–जैसे नेतृत्व, समय-प्रबंधन, निर्णय क्षमता, टीम भावना, नैतिकता, संकट प्रबंधन और जनकल्याण–भारतीय साहित्य में भी गहरे रूप में निहित हैं। गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। यद्यपि इसकी रचना लगभग पाँच शताब्दी पूर्व हुई, फिर भी इसमें वर्णित जीवन-मूल्य आज के प्रबंधकीय चिंतन को दिशा प्रदान करते हैं।हैं।

आधुनिक प्रबंधन में मूल्य-आधारित नेतृत्व को विशेष महत्त्व दिया जाता है। रामचरितमानस में श्रीराम का नेतृत्व सत्य, न्याय, करुणा और उत्तरदायित्व पर आधारित है। वे अपने सहयोगियों का सम्मान करते हैं और उनकी क्षमताओं के अनुसार दायित्व सौंपते हैं। हनुमान, सुग्रीव, जाम्बवान, नल-नील और विभीषण जैसे पात्रों को उचित अवसर देकर उन्होंने यह सिद्ध किया कि सफल नेतृत्व वही है जो टीम के प्रत्येक सदस्य की क्षमता को पहचानकर उसका सर्वोत्तम उपयोग करे।

टीम प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण भी रामचरितमानस में मिलता है। लंका विजय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं थी, बल्कि सुव्यवस्थित टीमवर्क का परिणाम थी। वानर सेना के प्रत्येक सदस्य की भूमिका स्पष्ट थी और सभी एक साझा लक्ष्य के लिए कार्य कर रहे थे। आज के कॉर्पोरेट जगत में भी सहयोग, समन्वय और साझा उद्देश्य को सफलता का आधार माना जाता है।

संकट प्रबंधन की दृष्टि से भी यह ग्रंथ अत्यंत शिक्षाप्रद है। सीता-हरण, समुद्र पार करने की चुनौती और युद्ध जैसी परिस्थितियों में श्रीराम ने धैर्य, परामर्श और रणनीति का सहारा लिया। उन्होंने आवेश में निर्णय नहीं लिए, बल्कि परिस्थितियों का विश्लेषण कर उचित समाधान खोजा। आधुनिक प्रबंधन भी संकट की स्थिति में शांतचित्त, तथ्यों पर आधारित और सामूहिक निर्णय लेने पर बल देता है।

रामचरितमानस में मानव संसाधन प्रबंधन की भावना भी स्पष्ट दिखाई देती है। श्रीराम निषादराज, शबरी, सुग्रीव और विभीषण जैसे विविध सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों के साथ समान सम्मान और विश्वास का व्यवहार करते हैं। इससे यह संदेश मिलता है कि किसी भी संगठन की शक्ति उसकी विविधता, समावेशिता और पारस्परिक सम्मान में निहित होती है।

आधुनिक प्रशासन में सुशासन की अवधारणा अत्यंत महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। रामचरितमानस का रामराज्य इसी आदर्श का प्रतीक है। वहाँ न्याय, सुरक्षा, समृद्धि, उत्तरदायित्व और जनकल्याण शासन के मूल आधार हैं। यह आज के लोकतांत्रिक प्रशासन के लिए भी प्रेरणास्रोत है, जहाँ शासन का उद्देश्य नागरिकों का विश्वास अर्जित करना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

आज जब संस्थाएँ केवल आर्थिक उपलब्धियों पर नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और टिकाऊ विकास पर भी ध्यान दे रही हैं, तब रामचरितमानस के प्रबंधकीय सिद्धांत और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। यह ग्रंथ बताता है कि सफल प्रबंधन केवल योजनाओं और संसाधनों से नहीं, बल्कि विश्वास, मर्यादा, संवेदनशीलता और लोकहित की भावना से संभव होता है।

अंततः कहा जा सकता है कि रामचरितमानस केवल धार्मिक या साहित्यिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन और प्रबंधन का भी मार्गदर्शक है। इसमें निहित नेतृत्व, टीम भावना, संकट प्रबंधन, नैतिक निर्णय और लोककल्याण के सिद्धांत आज के सामाजिक, प्रशासनिक और व्यावसायिक जीवन में समान रूप से उपयोगी हैं। यदि आधुनिक प्रबंधन भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरणा लेकर इन सिद्धांतों को व्यवहार में अपनाए, तो अधिक उत्तरदायी, मानवीय और टिकाऊ विकास की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकते हैं।

**आनंद कुमार जैन**
**खंडवा, मध्यप्रदेश,भारत**

# मुख्यमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को बैंक के रिकवरी नोटिस, ग्रामीणों में आक्रोश

## टेमला गांव में 72 परिवारों को मिले नोटिस, बोले- जब पैसा ही लौटाना था तो योजना का लाभ किस बात का?

भीकनगांव पियूष अग्रवाल ( इंदौर समाचार ) भीकनगांव। विकासखंड के ग्राम टेमला में मुख्यमंत्री आवास योजना (वर्ष 2015) के अंतर्गत आवास प्राप्त करने वाले 72 हितग्राहियों को बैंक ऑफ इंडिया, भीकनगांव शाखा द्वारा ऋण वसूली के नोटिस जारी किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई है।

नोटिस मिलने के बाद हितग्राहियों ने शासन की योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि आवास के लिए मिली राशि वापस ही जमा करनी है, तो फिर इसे योजना का लाभ कैसे माना जाए।

बैंक द्वारा जारी नोटिस में हितग्राहियों को बकाया ऋण राशि, ब्याज एवं अन्य शुल्क जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही निर्धारित तिथि तक भुगतान नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। बैंक ने गांव में एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) ऋण वसूली शिविर आयोजित करने की भी सूचना दी है।

नोटिस मिलने के बाद ग्राम पंचायत में बैठक आयोजित की गई। सरपंच संतोष असलकर ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पंचायत के माध्यम से ग्रामीणों को नोटिस दिए गए हैं। बैठक में बड़ी संख्या में हितग्राही पहुंचे और अपनी नाराजगी व्यक्त की।

ग्रामीणों का कहना था कि जब जमा करने के लिए कहा जा रहा है। गरीब परिवार इतनी बड़ी रकम एकमुश्त कहां से लाएंगे। उनका कहना है कि उन्हें लगा था कि यह शासन की आवासीय सहायता योजना का लाभ है, लेकिन अब ऋण वसूली के नोटिस मिलने से वे असमंजस और चिंता में हैं।

बैठक के दौरान बैंक अधिकारियों ने हितग्राहियों को नोटिस एवं ऋण संबंधी जानकारी दी। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया भीकनगांव शाखा के प्रबंधक ललित डोमरिया, रिकवरी मैनेजर हेमंत बाहेती, रिकवरी अधिकारी नितिन क्षेत्र, भीमसिंह, सरपंच संतोष असलकर सहित बड़ी संख्या में हितग्राही एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका कि संबंधित आवास योजना के अंतर्गत वितरित राशि अनुदान थी या ऋण, तथा किन शर्तों के आधार पर अब वसूली की जा रही है। इस संबंध में हितग्राहियों ने शासन एवं प्रशासन से स्पष्ट जानकारी देने और गरीब परिवारों को राहत प्रदान करने की मांग की है।

# प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सचिव ने किसानों के बीच पहुंचकर जाना कृषि का जमीनी परिदृश्य

**खेतों में पहुंचकर मिर्च व सफेद मूसली की फसलों का किया निरीक्षण, किसानों से कृषि विकास और विपणन व्यवस्था पर किया संवाद**

भीकनगांव। प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह खरगोन जिले के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने भीकनगांव क्षेत्र के प्रमुख कृषि क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से सीधे संवाद किया तथा कृषि उत्पादन, विपणन एवं ग्रामीण कृषि व्यवस्था की जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

सचिव ने विकासखंड भीकनगांव के ग्राम केदवा पहुंचकर किसान सोनू पटेल के खेत का निरीक्षण किया। किसानों ने मिर्च उत्पादन में आने वाली चुनौतियों, कृषि विपणन, मंडी व्यवस्था, भंडारण तथा अन्य कृषि संबंधी समस्याओं से सचिव को अवगत कराया। अक्षय कुमार सिंह ने किसानों की बात गंभीरता से सुनते हुए कहा कि उनके सुझावों एवं समस्याओं को शासन स्तर पर अनुशंसा सहित प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि कृषि क्षेत्र के विकास के लिए प्रभावी नीतियां बनाई जा सकें। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में किसानों के अनुभव और सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जमीनी स्तर पर किसानों से सीधे संवाद के माध्यम से ही व्यवहारिक और प्रभावी निर्णय लिए जा सकते हैं। उन्होंने क्षेत्र की कृषि समृद्धि, किसानों की मेहनत और उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए कृषि क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं पर भी संतोष व्यक्त किया। यहां उन्होंने मिर्च एवं सफेद मूसली की फसलों का अवलोकन किया। खेत में किसानों के बीच बैठकर उन्होंने खेती की लागत, उत्पादन, सिंचाई, बाजार, कोल्ड स्टोरेज, पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन एवं कृषि विपणन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की तथा किसानों के अनुभव और सुझाव भी सुने। इस अवसर पर एसडीएम लोकेश छापरे, शांतिलाल मुकाती, सोनू पटेल, ललित करोड़ा, रामेश्वर पटेल, अनुपचंद बिरला, श्याम बिरला, गजानंद मंडलोई, देवीलाल सहित अन्य किसान एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

## आईओटी इनोवेशन लैब की स्थापना से जेआयटी के विद्यार्थियों को कॅरियर की नवीन

खरगोन/जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी बोरावां के इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन विभाग में रिलायंस जियो थिंग्स के सहयोग से तैयार की गई अत्याधुनिक जियो आईओटी इनोवेशन लैब का शुभारंभ 14 जुलाई को किया । उल्लेखनीय है कि यह रिलायंस जियो थिंग्स के सहयोग से तैयार देश की प्रथम आईओटी इनोवेशन लैब है । जिसका लाभ संस्थान के विद्यार्थियों को प्राप्त होगा । इसे साथ ही इण्डस्टी एक्सपर्ट एवं कंपनी रिसोर्स पर्सन ने 14 से 16 जुलाई तक तीन दिवसीय ''आईओटी बेस्ड सॉल्यूशन फॉर प्रोडक्ट डिजाईन एण्ड डेवलपमेंट कार्यशाला'' का भी आयोजन किया गया । मंगलवार 14 जुलाई को रिलायंस जियोथिंग्स के नितिन कुमार सतनकर (असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट), जनार्दन एन. एल. (एम्बेडेड सिस्टम्स फर्मवेयर लीड), मदन परमशिवन (आईओटी डिवाइसेस इंजीनियरिंग लीड), वेस्ली खंडवाक्षी (असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड ऑफ आर्किटेक्चर) तथा शुभदीप डे (लीड डेटा साइंटिस्ट एवं लीड मशीन लर्निंग) की उपस्थिति में फीता काटकर लैब का शुभारंभ किया गया।

## विधायक ने किया डी पी के श्री गणेश

राणापुर गुरु महेश जैन राणापुर। झाबुआ विधान सभा के यशस्वी ऐव जुझारू विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने राणापुर ब्लाक के अगेरा, मातासुला, पुवाला, कंजवानी में डीपी का श्रीगणेश किया। क्षेत्र के कार्यकर्ता ओर सरपंच विधायक से विद्युत समस्याओं को लेकर आवेदन दिए थे। विधायक ने अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं का निराकरण करते हुए आदेश पारित किया। ओर आज श्रीगणेश किया। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश डामोर, जिला सचिव सुरेश समीर, रुमाल गावड़, विक्रम वसुनिया, सुमेरसिंह सिंघाड़, वेस्ता निगवाल, कैलाश पचाहा ऐव विधायक प्रतिनिधि वसीम भाई उपस्थित थे।

# आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का 37वां आचार्य पद आरोहण दिवस सनावद में हर्षोल्लास से मनाया, आर्यिका माताजी का मंगल प्रवेश

सनावद( विजय गुप्ता) नगर के श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ बड़ा मंदिर जी में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के 37वें आचार्य पद आरोहण दिवस के अवसर पर विशेष पंचामृत अभिषेक एवं पूजन सम्पन्न हुआ। साथ ही नगर में आर्यिका लक्ष्मी भूषण माताजी का मंगल प्रवेश भी हुआ।

समाज प्रवक्ता सन्मति जैन काका ने बताया कि इस अवसर पर आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका लक्ष्मी भूषण माताजी ने कहा कि जिस नगरी में साधु-संतों का उद्भव होता है, वह नगरी स्वयं ही पावन-पवित्र हो जाती है।

ऐसी ही नगरी आपकी सनावद नगरी है।

आर्यिका माताजी ने आगे कहा कि आज इस सदी में भी बीसवीं सदी के प्रथम आचार्य शांतिसागर जी महाराज की परंपरा का निर्वहन कर रहे आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज अपने विशालतम संघ का बखूबी संचालन कर रहे हैं।

वे स्वयं के साथ-साथ अन्य संतों का भी मोक्ष का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

आपकी नगरी अत्यंत पावन एवं धन्य है, जहां से इतने बड़े आचार्य के साथ 18 संत अपना कल्याण कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि आर्यिका माताजी का नगर में मंगल प्रवेश आज प्रातः खंडवा की ओर से हुआ। वे निरंतर मंडलेश्वर में चातुर्मास हेतु विहार कर रही हैं।

संत भवन में उनकी निरंतराय आचार्य चर्या सम्पन्न हुई। शाम को उनका मंगल विहार बड़वाह की ओर हुआ।

इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के सभी समाजजन उपस्थित थे।

## विश्व जनसंख्या दिवस अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर आयोजित सनावद न्यायालय में

सनावद( विजय गुप्ता) जिला विधिक प्राधिकरण न्यायालय मंडलेश्वर के आदेश अनुसार एवं तहसील विधिक सेवा समिति न्यायालय सनावद के निर्देशानुसार विश्व जनसंख्या दिवस जागरूकता शिविर आज आयोजित किया गया।

सनावद न्यायालय में जहां श्रीमान अपर सत्र न्यायाधीश महोदय श्री मोहम्मद असलम दहलवी साहब ने श्री मान योगेश चालीसा साहब आकांक्षा गर्ग न्यायाधीश महोदया ने जनसंख्या पर कहा कि हमारा उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण को जागृत करना है हम दो हमारे दो ही बच्चे अच्छे हे छोटा परिवार सुखी परिवार भारत में करीबन 145 करोड लोग हो गए हैं।

जनसंख्या दर-ब दर बढ़ती जा रही है आने वाले समय में धन-धान्य की एवं अन्य दैनिक उपयोगी वस्तुओं की कमी होती नजर आएगी इसलिए अपने परिवार के अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छे रहन-सहन के लिए सीमित परिवार को रखें

जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना परिवार नियोजन, लैंगिक समानता और स्वास्थ्य सेवाओं की अहमियत बताना हमारा उद्देश्य है तो आप सब जाने शिविर में नायब नाजिर संतोष खत्रा साहब न्यायालय खंडपीठ सदस्य रविंद्र अम्बिया मौजूद थे।

# भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

## पुरी धाम की तर्ज पर महेश्वर में निकली भव्य रथ यात्रा

महेश्वर। (इंदौर समाचार सुनिल गाडगे)। गुरुवार को ओडिशा के पुरी धाम की विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की तर्ज पर पवित्र और पर्यटन नगरी महेश्वर में निमाड़ की एकमात्र भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ निकाली गई।

पेशवा मार्ग स्थित जगन्नाथ धाम में यात्रा से पूर्व भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम एवं बहन सुभद्रा को विधि-विधान से रथ में विराजित कर विशेष पूजन-अर्चन किया गया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान जगन्नाथ पाक्षिक बीमारी से स्वस्थ होने के पश्चात अपने भक्तों का हाल-चाल जानने और उन्हें दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं। इसी परंपरा के निर्वहन में भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकले। इसके बाद सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान का रथ खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे नगर में ‘जय जगन्नाथ’ के जयकारे गूंजते रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रथ यात्रा जगन्नाथ धाम से प्रारंभ होकर कमानी गेट, बाजार चौक, नगर पालिका चौराहा एवं जयस्तंभ चौराहा से होती हुई पुनः जगन्नाथ धाम मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी, पुष्पवर्षा कर रथ का स्वागत किया तथा दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

यात्रा में भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक लोक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। महिला, पुरुष, युवा और बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भगवान की भक्ति में झूमते हुए यात्रा में सहभागिता की। पूरा नगर भगवान जगन्नाथ की दिव्य बारात के रंग में रंगा दिखाई दिया। नगर के विजय स्तंभ चौराहे पर नगर परिषद द्वारा यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान सीएमओ प्रियंक पंड्या एवं समाजसेवी गजराज यादव शामिल रहे।

यात्रा में गुरु माता जगतगिरी, महंत संत हृदयगिरी महाराज, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर तथा क्षेत्रीय विधायक राजकुमार मेव ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल, महादेव पाटीदार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन भी संपूर्ण यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह मुस्तैद रहा।

नगर भ्रमण के पश्चात भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम एवं बहन सुभद्रा को पुनः मंदिर में विधिवत विराजित किया गया। इसके बाद महाआरती संपन्न हुई तथा श्रद्धालुओं को महा प्रसादी वितरित की गई। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति और भक्ति से सराबोर माहौल ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।